Nalanda Open University

Course: Regular B.A. Part III (Hons)

Paper: VI (Social Psychology)

Topic: Attitudes and its components.

Prepared by: Prof (Dr.) Kamal Varma.
Co-ordinator, U.G. Psycho-logy.

Nature and Defination:-

मनोवृत्ति समाज मनोविज्ञान की एक प्रकार की केन्द्र-बिन्दु (Centre Point) है, इसकी शुरुआत समाज शास्त्रियों (Sociologist) के द्वारा की गई है, यह समय 1933 में शुरु हुई है।

मनोविज्ञान में इसकी शुरुआत 1919 में वाटसन ने Human Psychology में की है। हमारे जीवन में मनोवृत्ति का सम्बन्ध सामाजिक धार्मिक और राजनीतिक परिस्थितियों से होता है। मनोवृत्ति का सम्बन्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा परिस्थितियों से होता है।

शेरिफ एवं शेरिफ का कहना है कि मनोवृत्तियाँ किसी वस्तु के संदर्भ में निश्चित

होती है। ये पदार्थ, व्यक्ति, समूह, संस्था, सामाजिक समस्या या आदर्श कुछ भी हो सकते हैं। इस प्रकार मनोवृत्ति का विषय सजीव या निर्जीव मूर्त या अमूर्त उद्दीपक या प्राणी हो सकता है।

मनोवृत्ति की सबसे उपयुक्त परिभाषा क्रेच एवं क्रेचफील्ड की है, उनके मतानुसार अभिवृत्ति की एक विशेषता ~~प्रेरक~~ प्रेरित या उत्तेजित करती है, दूसरी स्थिति संवेग की होती है जो व्यक्ति, वस्तु अथवा तथ्य के प्रति संवेदना उत्पन्न करती है जैसे- प्रेम- घृणा, दया, भय, प्रतिस्पर्धा, क्रोध, तनाव इत्यादि। तीसरी स्थिति प्रत्यक्ष बोध या प्रत्यक्षीकरण की होती है जिसमें व्यक्ति अपने अनुभवों के आधार पर उस वस्तु या व्यक्ति विशेष के बारे में एक छवि तैयार करता है तथा उसके प्रति सकारात्मक (Positive) तथा नकारात्मक (Negative) मनोवृत्ति का निर्माण करता है।

क्रेच एवं क्रेचफील्ड ने पुनः स्पष्ट किया - " मनोवृत्तियाँ किसी सामाजिक तथ्य के प्रति सकारात्मक या नाकारात्म

मूल्यांकनों, संवेगनात्मक भावों तथा पक्ष या विपक्ष से सम्बन्धित क्रियात्मक झुकावों की अधिगमकृत स्थाई प्रवृत्तियाँ हैं।

Components of Attitude.

मनोवृत्ति के घटक : मनोवृत्ति को समझने के लिए इसके घटकों (components) को समझना अति आवश्यक है। इसके तीन घटक हैं —

1. संज्ञानात्मक घटक (Cognitive Component)
2. भावात्मक घटक (Affective Component)
3. व्यवहारात्मक घटक (Behavioural Component)

संज्ञानात्मक घटक Perceptual (अवबोधात्मक) Informations (सूचनाएँ) तथा Stereotype (स्थिर आकृति) संघटक भी कहते हैं, किसी व्यक्ति या वस्तु के प्रति लोगों की धारणाएँ एवं विश्वास ही मनोवृत्ति का संज्ञानात्मक घटक कहलाता है ...

व्यक्ति मनोवृत्ति वस्तु (Attitude object) का प्रत्यक्षीकरण (Perception) किस प्रकार से करता है? जैसे- ब्राह्मण एवं हरिजन इसे स्टिरियो-कृति या (Stereotypes) भी कहते हैं यह सोच बहुत दिनों तक बनी रहती है।

भावनात्मक संघटक यानि (Emotional) संघटक भी कहते हैं, इसमें वस्तु व्यक्ति अथवा परिस्थिति के प्रति पसंद अथवा नापसंद जुड़ा रहता है। यह व्यक्ति को उत्तेजित अथवा प्रेरित करती है। मनोवैज्ञानिकों ने इसे मनोवृत्ति को केन्द्र माना है। इसकी महत्ता मनोवृत्ति की तीव्रता मापने का जरिया है।

क्रियात्मक अथवा व्यवहारात्मक (Behavioural) संघटक से तात्पर्य व्यक्ति किस प्रकार किसी खास व्यक्ति अथवा वस्तु-परिस्थिति पर अपना व्यवहार प्रदर्शित करता है, यह व्यक्ति विशेष पर आधारित होता है कि वह किस परिस्थिति पर किस प्रकार प्रतिक्रिया करता है।